

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 10

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 3

नीलकंठ

[महादेवी वर्मा (1907-1987)]

भाग – 4

अभ्यास-माला

पल्लवी कलिता

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. सम्यक् उत्तर दो (लगभग 100 शब्दों में) —

(क) नीलकंठ के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में वर्णन करो।

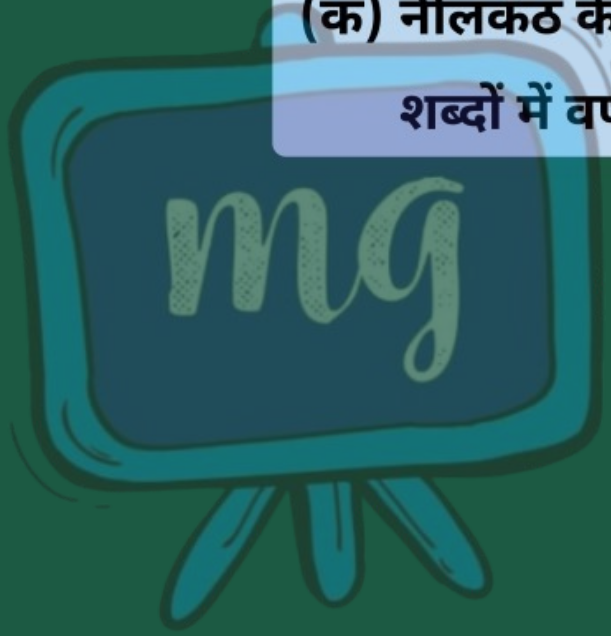

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. सम्यक् उत्तर दो (लगभग 100 शब्दों में) —

(क) नीलकंठ के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में वर्णन करो।

उत्तर : मयूर नीलकंठ के स्वभाव की विशेषताओं को निम्नप्रकार अंकित किया गया है।

जब नीलकंठ बड़ा होने लगा तब उसका दिनचर्या भी बदल गया। वह किसी की ओर गरदन ऊँची कर देखता था, विशेष भंगिमा के साथ दाना चुगता था, पानी पीता था, कभी कुछ आहट हो तो वह टेढ़ी कर सुनने लगता था।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कुछ महीने बाद वह खरगोश, कबूतर आदि जीव-जन्तुओं का सेनापति और संरक्षक बनकर उन्हें दाना देने की जगह ले जाता। किसी ने कुछ गड़बड़ की तो तीखे चंचु प्रहार से दंड देता। दंडविधान के समान ही वह सबको प्यार भी करता था।

नीलकंठ जीव-जन्तुओं के प्रहरी जैसा था। उसने शिशु खरगोश को साँप के मुँह से बचाया था। साँप को दो खण्ड करने के बाद वह शिशु खरगोश के पास जाकर उसे पंखों के नीचे रखा और उष्णता देता रहा। नीलकंठ का ऐसा स्वभाव था कि उसे देखे बिना अनुभव नहीं किया जा सकता ।

नीलकंठ महसूस करता था कि किस प्रकार कृतज्ञता स्वीकार किया जा सकता हैं। वह लेखिका महादेवी वर्मा जी को कृतज्ञता के रुप में पंखों का सातरंगी मंडलाकार छाता तान कर नृत्य की भंगिमा में खड़ा हो जाता था। यह देख विदेशी महिलाओं ने भी उसे "परफैक्ट जेंटलमैन' की उपाधि दी थी। इसके अलावा नीलकंठ में कलाप्रियता, संगीतमयता आदि गुण देखा जाता है, जो मानवीकरण का एक सजीव चित्र प्रस्तुत करता है।

(ख) कुब्जा और राधा के आचरण में क्या अंतर परिलक्षित होते हैं ? क्यों ?



(ख) कुब्जा और राधा के आचरण में क्या अंतर परिलक्षित होते हैं ? क्यों ?

उत्तर : कुब्जा और राधा दोनों मोरनी हैं। दोनों के आचरणों में अनेक अंतर परिलक्षित होते हैं। नीचे दोनों के अंतर को दिखाया गया है।

राधा	कुब्जा
1. राधा मंथर गति से चलने वाली मोरनी थी। उसकी आचरण में मोर की उपयुक्त सहचारिणी होने का प्रमाण था। वह मोर नीलकंठ की छाया के समान रहती थी।	1. कुब्जा का आचरण राधा के समान नहीं था। नाम के अनुरूप ही उसका कार्य भी था। कुब्जा बहुत क्रोधी और चंचल थी।

राधा	कुब्जा
राधा किसी भी तरह के हिंसात्मक कार्य में शामिल नहीं रहती थी ।	कुब्जा स्वभाव से हिंसात्मक थीं । उसने चोंच से मार-मारकर राधा की कलगी नोच डाली, पंख नोच डाले । यहाँ तक कि राधा के अंडों को भी तोड़ दिया ।
राधा का जालीघर के जीव-जन्तुओं के साथ मित्रता थी।	कुब्जा का नीलकंठ के अलावा किसी भी जीव-जन्तु से मित्रता नहीं था ।
राधाऔर नीलकंठ साथ – साथ रहते थे ।	कुब्जा राधा को नीलकंठ के पास देखते ही भगाने लगती थी ।

(ग) मयूर कलाप्रिय वीर पक्षी है, हिंसक मात्र नहीं- इस कथन का आशय समझाकर लिखो ।



(ग) मयूर कलाप्रिय वीर पक्षी है, हिंसक मात्र नहीं- इस कथन का आशय समझाकर लिखो ।

उत्तर : मयूर एक अत्यंत मनमोहक पक्षी है । खूबसूरत होने के साथ-साथ वह कलाप्रिय भी है । नृत्य कला में पारंगत होने के साथ-साथ वह युद्ध में भी पार्गत है। सभी प्रकार के जीव-जन्तुओं या पशु-पक्षियों के बीच रूप, स्वभाव और आचरण में अंतर देखा जाता है। चारित्रिक विशेषता के कारण वे एक दूसरे से श्रेष्ठ बन जाते हैं। बाज, चील जैसे हिंस्र पक्षियों की तरह मयूर का जीवन नहीं है। बाज, चील आदि का जीवन हिंस्रता और क्रूरता से भरा हुआ है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पर हिंस्रता रहते हुए भी जो कलाप्रियता, सुन्दरता, और वीरता मयूरों में है, इससे वे अपने को मनुष्य के श्रेणी तक पहुँचाता है। कार्तिकेय ने मयूर को अपना युद्ध वाहन चुना था, बाज या चील को नहीं। मयूर अपने नृत्य द्वारा लोगों का मन मोह लेता हैं।

इसलिए हम कह सकते हैं कि मयूर कलाप्रिय, वीर पक्षी है, हिंसक मात्र नहीं ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भाषा एवं व्याकरण-ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद करो —

- नवांगतुक →
- मंडलाकार →
- निश्चेष्ट →
- आनंदोत्सव →
- विस्मयाभिभूत →
- आविर्भूत →
- मेघाच्छन्न →
- उद्दीप्त →

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

संधि – संधि का अर्थ हे मेल । दो निकटवर्ती वर्णों के मेल से उत्पन्न होने वाले विकार या परिवर्तन को संधि कहते हैं । जैसे –

हिम + आलय = हिमालय

जगत् + ईश = जगदीश

अ + आ = आ

ई

संधि तीन प्रकार के हैं –



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

1. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद करो —

- नवागंतुक → नव + आगंतुक अ+आ=आ
- मंडलाकार → मंडल + आकार
- निश्चेष्ट → निः + चेष्ट श
- आनंदोत्सव → आनंद + उत्सव अ+उ=औ
- विस्मयाभिभूत → विस्मय + अभिभूत अ+अ=आ
- आविर्भूत → आविरः + भूत
- मेघाच्छन्न → मेघ + आच्छन्न
- उद्दीप्त → उत् + दीप्त

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह करते हुए समास का नाम भी बताओ —

पद	विग्रह	समास
पक्षी-शावक		
करुण-कथा		
लय-ताल		
धूप-छाँह		
श्याम-श्वेत		
चंचु-प्रहार		
नीलकंठ		
आर्तक्रंदन		
युद्धवाहन		

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जब दो या दो से अधिक शब्द मिलकर एक नया शब्द बनाते हैं और उसका अर्थ पहले शब्दों से मिलता है, तो उसे समास कहते हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अव्ययीभाव समास - अव्ययीभाव समास: पूर्व पद प्रधान होता है, जैसे 'यथाशक्ति' ।

तत्पुरुष समास:- उत्तर पद प्रधान होता है। इसके कई उपभेद हैं, जैसे कर्म तत्पुरुष, करण तत्पुरुष आदि।

कर्मधारय समास: इसमें एक पद विशेषण और दूसरा विशेष्य होता है, या दोनों विशेष्य होते हैं, जैसे 'नीलांबर' (नीला है जो अंबर)।

द्विगु समास: पहला पद संख्यावाचक होता है, जैसे 'चौराहा' (चार राहों का समूह)।

द्वंद्व समास: दोनों पद प्रधान होते हैं, जैसे 'माता-पिता'।

बहुव्रीहि समास: दोनों पदों से एक तीसरे पद का बोध होता है, जैसे 'चक्रपाणि' (चक्र है जिसके हाथ में)।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तरः

पद	विग्रह	समास
पक्षी-शावक	पक्षी का शावक	सम्बंध तत्पुरुष
करुण-कथा	जो कथा करुण है	कर्मधारय
लय-ताल	लय और ताल	द्वन्द्व समास
धूप-छाँह	धूप और छाँह	द्वन्द्व समास
श्याम-श्वेत	श्याम और श्वेत	द्वन्द्व समास
चंचु-प्रहार	चंचु से प्रहार	करण तत्पुरुष
नीलकंठ	जिसका कंठ नीला है	बहुब्रीहि समास
आर्तक्रंदन	दर्द भरी आवास में रोना	करण तत्पुरुष
युद्धवाहन	युद्ध का वाहन	सम्बंध तत्पुरुष

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करो :

- स्वाभाविक →
- दुर्बलता →
- रिमझिमाहट →
- पुष्पित →
- चमत्कारिक →
- क्रोधित →
- मानवीकरण →
- विदेशी →
- सुनहला →
- परिणामतः →

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करो :

- स्वाभाविक → स्वभाव + इक
- दुर्बलता → दुर्बल + ता
- रिमझिमाहट → रिमझिम + आहट
- पुष्पित → पुष्प + इत
- चमत्कारिक → चमत्कार + इक
- क्रोधित → क्रोध + इत
- मानवीकरण → मानव + करण
- विदेशी → विदेश + ई
- सुनहला → सुनहल + आ
- परिणामतः → परिणाम + तः

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ो :

(क) पूँछ लंबी हुई और उसके पँखों पर चंद्रिकाओं के इंद्रधनुषी रंग उद्दीप्त हो उठे।

(ख) केवल एक शिशु खरगोश साँप की पकड़ में आ गया।

(ग) कई विदेशी महिलाओं ने उसे 'परफैक्ट जेंटिलमैन' की उपाधि दे डाली।

(घ) बड़े मियाँ ने पहले के समान कार को रोक दिया।

चारों वाक्यों में रेखांकित क्रियाएँ संयुक्त क्रियाएँ है।

इनमें 'हो, आ, दे रोक' ये मुख्य क्रियाएँ हैं और उठे, गया, डाली, लिया ये रंजक क्रियाएँ हैं।

ये रंजक क्रियाएँ क्रमशः आकस्मिकता, पूर्णता और अनायसता का अर्थ देती हैं।

उठना, जाना, डालना, लेना क्रियाओं से बनने वाली संयुक्त क्रियाओं से चार वाक्य बनाओ।

चारों वाक्यों में रेखांकित क्रियाएँ संयुक्त क्रियाएँ है।

इनमें 'हो, आ, दे रोक' ये मुख्य क्रियाएँ हैं और उठे, गया, डाली, लिया ये रंजक क्रियाएँ हैं।

ये रंजक क्रियाएँ क्रमशः आकस्मिकता, पूर्णता और अनायसता का अर्थ देती हैं।

उठना, जाना, डालना, लेना क्रियाओं से बनने वाली संयुक्त क्रियाओं से चार वाक्य बनाओ।

रंजक क्रिया – रंजक क्रिया वह सहायक क्रिया होती है, जो मुख्य क्रिया के साथ जुड़कर उसके अर्थ को और अधिक प्रभावशाली बनाती है ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उठना – आतंकी हमले की आशंका के बारे में सुनकर हम सब सतर्क हो उठे।

जाना – माँ ने मुझे पैसों की एक पोटली दे जाने को कहा ।

डालना – शिक्षक ने जो भी गृहकार्य दिया था, सब बच्चों ने मिलकर एक घंटे में कर डाला ।

लेना - तुम अपनी ज़रूरत की सारी किताबें पुस्तकालय से ले लेना ।

5. निम्नलिखित वाक्यों में उदाहरणों के अनुसार यथास्थान उपयुक्त विराम चिह्न लगाओ :

उदाहरण :

1. उन्होंने कहना आरंभ किया सलाम गुरुजी

⇒ उन्होंने कहना आरंभ किया, "सलाम गुरुजी !"

2. आम अशोक कचनार आदि की शाखाओं में नीलकंठ को ढूँढ़ती रहती थी।

⇒ आम, अशोक, कचनार आदि की शाखाओं में नीलकंठ को ढूँढ़ती रहती थी।

(क) उन्हें रोककर पूछा, "मोर के बच्चे हैं कहाँ ?"

(ख) सब जीव-जंतु भागकर इधर-उधर छिप गए ।

(ग) चोंच से मार-मारकर उसने राधा की कलगी नोच डाली, पंख नोच डाले।

(घ) न उसे कोई बीमारी हुई, न उसके शरीर पर किसी चोट का चिह्न मिला।

(ङ) मयूर को बाज़, चील आदि की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, जिनका जीवन ही क्रूर कर्म है ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

योग्यता-विस्तार —

1. रेखाचित्र क्या है ? रेखाचित्र की विशेषताएँ क्या-क्या है? उनकी जानकारी प्राप्त करो।

उत्तर : रेखाचित्र एक कला है जिसमें रेखाओं का उपयोग करके किसी व्यक्ति, वस्तु या घटना का चित्रण किया जाता है, और यह साहित्य की एक विधा है। साहित्य में, यह शब्दों के माध्यम से किसी व्यक्ति या वस्तु का चित्रात्मक वर्णन है, जो उसकी शारीरिक और मनोवैज्ञानिक विशेषताओं को दर्शाता है।

योग्यता-विस्तार —

1. रेखाचित्र क्या है ? रेखाचित्र की विशेषताएँ क्या-क्या है? उनकी जानकारी प्राप्त करो।

- शब्दों द्वारा चित्र निर्माणः रेखाचित्र का मुख्य उद्देश्य शब्दों के माध्यम से किसी व्यक्ति, वस्तु या घटना का ऐसा सजीव वर्णन करना है कि पाठक के मन में उसका स्पष्ट चित्र बन जाए ।
- संक्षिप्तता और मार्मिकताः यह कहानी या उपन्यास की तरह विस्तृत नहीं होता, बल्कि कम शब्दों में गहन भाव या मार्मिकता को व्यक्त करता है ।

- सत्यता पर आधारितः अधिकांश रेखाचित्र वास्तविक जीवन की घटनाओं, व्यक्तियों या अनुभवों पर आधारित होते हैं। लेखक कल्पना का सहारा कम लेता है ।
- तटस्थताः लेखक अपने विषय के प्रति एक तटस्थ दृष्टिकोण बनाए रखता है और बिना किसी पूर्वाग्रह के वस्तुनिष्ठ चित्रण करता है ।
- भावनात्मकताः इसमें लेखक के निजी विचार, भावनाएँ और सहानुभूति भी झलकती है, जिससे पाठक विषय से भावनात्मक रूप से जुड़ पाता है ।
- कलात्मकताः वर्णन की शैली कलात्मक और प्रवाहमयी होती है, जो पाठक को बांधे रखती है ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. अपने परिवार, मित्रों अथवा अपने आस-पड़ोस द्वारा पालित किसी पशु या पक्षी के रूप-रंग, स्वभाव, व्यवहार तथा क्रियाकलापों का अवलोकन करो और उसके आधार पर उसका शब्द-चित्र खींचो।

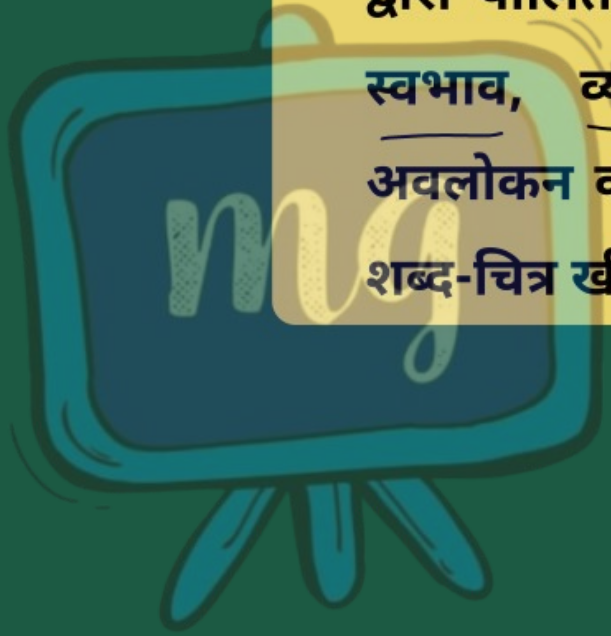

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. जीव-जंतु के विषय में लिखे गए अन्य लेखकों की साहित्यिक रचनाएँ खोजकर पढ़ो और ऐसी ही रचनाएँ खुद भी लिखने की कोशिश करो।

